अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2024) दिनांक : 21.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

प्र. 1 किन्हीं अठारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 18

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य संघदासगणी ने सारणा-वारणा न करने वाले संघ को छोड़ने के क्या निर्देश दिये हैं?

(ख) 'साइकोलोजी' शब्द का क्या अर्थ है? इसका संबंध किस शासन से है?

(ग) संगठन की दृढ़ता के प्रमुख तत्त्व क्या हैं?

(घ) 'गण में रहूं निर्दाव एकल्लो'–इसका अर्थ बताएं? इसके द्वारा आचार्य भिक्षु ने किस पर तीखा प्रहार किया?

(ड़) वंचना के परिहार के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या मर्यादा बनाई?

(च) तेरापंथ का अनुशासन क्या है?

(छ) 'भोजन में ठंडी रोटी मुझे स्वीकार नहीं लगती'–ये शब्द किसने कहे तथा वे पहले किस सम्प्रदाय के साधु थे?

(ज) न्याय के क्षेत्र में किन बातों को आधार बनाया जाता है?

(झ) तुम्हें साधुओं की बातचीत में बोलने की जरूरत क्या है? ये शब्द किससे और कहां कहे गये?

(ञ) आचार्य भिक्षु के भीतर का अनुशास्ता किन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जागता था?

(ट) आचार्य भिक्षु कौन सी संस्कृति के पुरस्कर्ता थे?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें)

(ठ) पाषण्ड धर्म और श्रुत धर्म का अर्थ बताएं?

(ड) दान्ते के अनुसार मनुष्य के दो अन्तिम कल्याण क्या हैं?

(ढ) लोक दृष्टि व मोक्ष दृष्टि के अनुसार कौन सा जीवन श्रेष्ठ है?

(ण) शुद्ध साध्य हेतु शुद्ध साधन–इस सिद्धांत की व्याख्या करते हुए आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(त) आचार्य भिक्षु ने धर्म व पाप की पहचान के लिए कितने व कौन-कौन से सूत्र दिये?

(थ) दान के संदर्भ में महात्मा गांधी के विचार लिखें।

(द) 'जॉनसन' के अनुसार समाजीकरण क्या है?

(ध) 'आर्थिक कारण' सामाजिक वर्ग का आधार है–यह किसने कहा?

(न) अध्यात्म का मूल क्या है?

(प) भगवान महावीर ने आत्मोन्नति के लिए कितने व कौन से मार्ग बताए?

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली–21

प्र. 2 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) एक सच्चे नेता में कौन-कौन से गुण होने चाहिये? आचार्य भिक्षु के व्यक्तित्व के आधार पर वर्णन करें।

(ख) 'गुरू बनाते हैं चेतना को अन्तर्मुखी'–घटना प्रसंग द्वारा सिद्ध करें।

प्र. 3 ठाणं सूत्र में वर्णित संघमुक्त साधना की अर्हताओं का वर्णन करें। 15

अथवा

दलबंदी की समस्या रोकने के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या उपाय किये?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–21

प्र. 4 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) असंयमी जीवों को बचाने के संदर्भ में आचार्य भिक्षु के विचारों को स्पष्ट करें।

(ख) तेरापंथ धर्मसंघ में संघ पृथक्करण का क्या विधान है तथा कौन-कौन से नियम पालनीय हैं?

प्र. 5 'अनेकांत' व 'स्याद्वाद' के परिपेक्ष्य में टिप्पणी लिखें। 15

अथवा

'प्रजातांत्रिक अधिनायकवाद' पर टिप्पणी लिखें।

अनुकम्पा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 5

(क) देवता ने किन-किन व्यक्तियों के पुत्रों को तेल में तला?

(ख) कौन सी सात बातों की इच्छा करना पाप है?

(ग) अरणक श्रावक ने देव उपसर्ग होने पर क्या किया?

(घ) जीने मरने की वांछा करने से क्या बढ़ता है?

(ड़) 'नव कोटि प्रत्याख्यान' के बारे में लिखें।

(च) ज्ञानियों की दृष्टि में छः काय के जीवों की साता कैसे होती है?

(छ) 'सुलसा' किस देव की भक्त थी तथा देव ने उस पर क्या अनुकंपा की?

(ज) भगवान ने दया का रहस्य किस सूत्र में बताया है?

प्र. 7 ढाल छः का सारांश लिखते हुए मिश्र धर्म की व्याख्या करें। 10

अथवा

ढाल दो के आधार पर भगवान ने जो अनुकंपाएं साधु के लिए वर्जित बताई है, उनका वर्णन करें।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) समें परिणामां वेदना सही, जांणी आपणा संच्या कर्म रे।
अनुकंपा नांणी अंगजात री, तिण छोड़यो नहीं जिण धर्म रे।।

(ख) अग्यांनी रो ग्यांनी कीयां थकां, हुवो निश्चे पेला रो उधार हो।
कीयो मिथ्याती रो समकती, तिण उतारीयो भव पार हो।।

(ग) ए चोर तीनूं समझ्यां धकां, धन रह्यो हो धणी ने कुसले खेम।
हिंसक तीनूं प्रतिबोधीयां, जीव बचीया हो कीधो मारण रो नेम।।

(घ) साधां रा मुख आगले, पंखी पडीयो माला री आय।
कहे मेहलां ठिकांणें हाथ सूं तो, दया रहे घट मांय।।

भिक्षु वाणी–10

प्र. 9 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 10

(क) साध्वाभास।

(ख) संकीर्णता।

(ग) जेहने जेहवा..... खाय।

(घ) सत्पुरूष।

(ड़) जीभ रो.....चात्यो।